

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: परिवर्तनों का प्रभाव पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-4अ/1 विषय वस्तु- * युगों का दौर उपविषय वस्तु :- अ) स्व जागरूकता आ) युग- प्रभाव इ) वाक् कौशल निपुणता पाठ्येतर विषय वस्तु * भाषण दक्षता * सूची निर्माण *तालिका निर्माण	विद्यार्थी :- अ) आत्मविश्लेषण कर अपने स्वत्व के प्रति जागरूक हो सकेंगे आ) युग परिवर्तन का देश-काल पर पड़ने वाले प्रभाव को जानने में सक्षम हो सकेंगे । इ) सार्वजनिक स्थलों पर अपने विचारों को तर्कपूर्ण ढंग से रखने की कला को सीख पाएँगे ।	विद्यार्थी :- अ) बदलते परिवेश में अपना आत्मविश्लेषण कर अपनी कमजोरियों एवं विशेषताओं की तालिका बना सकेंगे । आ)1. युगों के बदलते दौर में भारत में आए राजनैतिक , सामाजिक, सांस्कृतिक , व्यापारिक परिवर्तनों के तथ्यों को सूचीबद्ध कर सकेंगे । आ)2. विद्यालय परिसर में घूम कर विद्यालय की संस्कृति को जानकर उसकी विशेषताएं लिख सकेंगे। इ)1. 'बदलते युग और बदलती संस्कृतियाँ' विषय पर भाषण तैयार कर कक्षा में प्रस्तुत कर सकेंगे जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा और दूसरों की बात को मद्देनज़र रखते हुए अपनी बात से सहमत कर लेने की कला में निपुण हो सकेंगे । इ)2. गतिविधि से जुड़े अपने अनुभव लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:-

पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- 'बदलते युग और बदलती संस्कृतियाँ' विषय पर आधारित भाषण प्रस्तुति से संबंधित ।

कक्षा - आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-4अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-4अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-4अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-4अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-4आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-4आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-4आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-4आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान ,इतिहास,अंग्रेजी साहित्य ।

विद्यालय परिसर :- विद्यालय परिसर में घूम कर विद्यालय की संस्कृति को जानकर उसकी विशेषताएं लिख सकेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -4अ/1

प्रश्न1 सत्ता परिवर्तन का देश विशेष पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

संभावित उत्तर – प्रत्येक शासक की अपनी शासन पद्धति होती है जिसकी छाप देश विशेष पर रह जाती है ।

प्रश्न2 क्या इस परिवर्तन का वहां की जनता पर भी प्रभाव पड़ता है?

संभावित उत्तर –हाँ

प्रश्न 2 भारत पर किन-किन शासकों का प्रभाव पड़ा ?

संभावित उत्तर - मौर्य , गुप्त,मुगल आदि ।

कथन:- आइये इस पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि मौर्य और गुप्त काल में भारत ने क्या खोया और क्या पाया ।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -4अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -4अ/3

- अध्यापिका विद्यार्थियों को भाषण-प्रस्तुति की विशिष्टताओं से परिचित कराएंगी ।
- अध्यापिका विद्यार्थियों के समक्ष भाषण का विषय रखेंगी ।
- सभी विद्यार्थियों को इस विषय पर चिंतन-मनन करने तथा भाषण लेखन का समय देंगी।
- भाषण की क्रियाविधि के निर्देश :-

1.भाषण का विषय :-

बदलते युग और बदलती संस्कृतियाँ

2.भाषण का समय : तीन से पाँच मिनट

3.भाषण की विशिष्टताएँ- भाषा की शुद्धता, उदाहरणों का प्रयोग, तार्किकता, व्यवहारिकता, व्यंग्यात्मकता

- अध्यापिका समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी राय भी दे सकती है ।
- अध्यापिका मौखिक भाषण का मूल्यांकन करेंगी ।
- कक्षा में भाषण प्रस्तुति के पश्चात् उसका लिखित साक्ष्य अध्यापिका को दिया जाएगा ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -4अ/4

पाठ : युगों का दौर
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : विचारधारा और तर्क
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व भाषण
कला का ज्ञान :

भाषण प्रस्तुत करते हुए
अनुभव :

भाषण
गतिविधि
का
अनुभव

गतिविधि से सीखा :

गतिविधि के पश्चात मिले
सुझावों के प्रति मेरी सोच